CITY MONTESSORI SCHOOL GOMTI NAGAR

GRADE III पाठ - अपठित गद्यांश

NAME ..... SECTION ..... DATE .....

मोहन – महाराज, आपके दिए हुए एक रुपए से मैंने गाजर के बीज खरीदे और ज़मीन तैयार करके बो दिए। सिंचाई और देखभाल करने से ये गाजर निकली है। उनमें से कुछ लाल-लाल चुनकर, मैं आपके लिए ले आया हूँ।

राजा – (प्रसन्न होकर) मुझे तुम जैसे मेहनती और सूझ-बूझ वाले लड़के की राजदरबार में बहुत ज़रूरत है। तुम कल से मेरे राजदरबार में काम करोगे।

सूत्रधार – दूसरे दिन से ही मोहन राजा के दरबार में काम करने लगा। वह मेहनत से काम करता और हमेशा खुश रहता। दिनोंदिन उस पर राजा का विश्वास बढ़ता गया। जब वह बड़ा हुआ तो राजा ने उसे अपना अंगरक्षक बना लिया।

संदेश: मेहनत और लगन ही लक्ष्य तक पहुँचाते हैं।

प्र० 1 मोहन ने एक रूपये से क्या खरीदा ?

उ०. मोहन ने एक रूपये से.....

प्र०.2 मोहन कैसा लड़का था ?

उ०.2 मोहन ..... वाला लड़का था |

प्र०.3 राजा ने उसे क्या बना लिया ?

उ०.3 .....

प्र०.4 दिए गए गद्यांश में से नीचे लिखी चीजों को छाँटिए -

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	संज्ञा (भाव)
1.....	1.....	1.....	1.....
2.....	2.....	2.....	2.....
			3.....

LIVEWORKSHEETS